आज की मुरली का सार ---- Date: 19-05-2014

बाबा ने कहा, बाप समान रहमदिल बनो, रहमदिल बच्चे सबको दुःखों से छुड़ाकर पतित से पावन बनाने की सेवा जरूर करेंगे.

कैसे?

रहमदिल बाप के बच्चे हम मास्टर रहमदिल हैं. इस नशे में रहकर, स्वयं पर, विश्व की आत्माओं पर और प्रकृति के पांच तत्वों पर रहम करना हैं. रहम करना अर्थात कल्याण करना.

इस कलियुग के अन्त में विश्व की सभी आत्मायें और प्रकृति के पांच तत्वों संपूर्ण तमोप्रधान बन गये हैं और विकारों के ग्रस्त होने के कारण एक-दूसरे को दुःखी करते रहते हैं. सभी की अन्तर आत्मायें पुकार रही हैं, एक बाप को, की वो आकर हमें इस रौरव नर्क से छुड़ावे. हमें सुख और शांति की दुनिया में ले चले.

नीचे दिये गये स्वमान में स्थित होकर बाबा से योग करें.

- में आत्मा, रहमदिल बाप का बच्चा, मास्टर रहमदिल हूं. बाबा से गुणों और शक्तिओं की किरणें ले कर, विश्व कि सर्व आत्माओं और प्रकृति के पांच तत्वों को दे रही हूं.

मास्टर रहमदिल का योग, स्वयं के लिए, विश्व की सर्व आत्माओं के लिए और प्रकृति के पांच तत्वों के लिए कल्याणकारी हैं. इस योग से हमें विश्व की आत्माओं की और प्रकृति के पांच तत्वों की दुआ मिलती हैं. मन हर्षित रहता हैं.

ॐ शांति.